सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री का आगाज 350 करोड़ से लगेगा पैकेजिंग संयंत्र

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में सेमीकंडक्टर नीति लागू होने से पहले ही उद्यमियों ने तैयारी शुरु की दी है। यहां पहली बार सेमीकंडक्टर उत्पादों की पैकेजिंग यूनिट लगेगी। 350 करोड़ के निवेश से अगले दो साल में संयंत्र तैयार हो जाएगा। सेमीकंडक्टर उपकरण की पैकेजिंग बेहद खास होती है। रेडियोएक्टिव तत्वों, धातु और कांच से तैयार होने वाले उत्पाद संवेदनशील होते हैं।

यूपी को सेमीकंडक्टर का गढ़ बनाने के लिए जल्द सेमीकंडक्टर नीति कैबिनेट में पेश की जाएगी। इसकी एक-एक इंडस्ट्री कम से कम बीस हजार करोड़ की होगी। सेमीकंडक्टर सिटी को ग्रेटर नोएडा के अतिरिक्त जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास बसाने की तैयारी है। इसके लिए

सेमीकंडक्टर नीति लागू होने से पहले ही उद्यमी खुद को करने लगे तैयार

उद्यमियों ने खुद को तैयार करना शुरू कर दिया है। नोएडा स्थित सहस्र इलेक्ट्रॉनिक्स मेक इन इंडिया के तहत पहली सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई लगाएगी। इस पर अगले तीन वर्षों में करीब 350 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

दूसरी तरफ चीन से छिटककर लेनेवो लैपटॉप बनाने का जिम्मा भी नोएडा की मल्टीनेशनल कंपनी ने झटक लिया है। इसके लिए दिग्गज कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजी की सहायक इकाई पैजैट इलेक्ट्रॉनिक्स ने लेनेवो के साथ अनुबंध किया है। नोएडा में लेनेवो का निर्माण उत्पादन-लिंक्ड योजना के तहत किया जाएगा। यहां अगले साल मई से लेनोवो के लिए नोटबुक और लैपटॉप बनने शुरू होंगे।